SET – 2

Series : SSO/C

कोड नं.
Code No. **29/2**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

जो नहीं हो सके पूर्ण-काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम !

कुछ कुंठित औ' कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त-तूणीर हुए
– उनको प्रणाम !

जो छोटी-सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि-पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार
– उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे
– उनको प्रणाम !

कृत-कृत्य नहीं जो हो पाए
प्रत्युत फांसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
– उनको प्रणाम !

(क) कवि असफल लोगों को ही प्रणाम कर रहा है, ऐसा क्यों ?

(ख) युद्ध समाप्त होने से पहले ही युद्धा के तीर समाप्त होने का क्या परिणाम होगा ?

(ग) सीमित साधनों से अथाह सागर पार करने निकले लोग कौन हो सकते हैं ?

(घ) हमारा समाज किन्हें भुला देता है ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए – पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि कुछ असफल ही नीचे उतरे ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **15**

मध्ययुग में व्यक्ति का जीवन सुसंगठित समूह के साथ अविच्छिन्न रूप से जुड़ा हुआ था । उसके जीवन की जो भी सीमाएँ अथवा संकीर्णताएँ रही हों, व्यक्ति सदा अपने को ग्राम समुदाय का, एक सम्मिलित परिवार का अंग अनुभव करता था । इस प्रकार उसमें अपनी सुरक्षा की भावना विद्यमान रहती थी । जीवन के इस परम्परागत ढाँचे को औद्योगीकरण और व्यापार के विकास ने यातायात और संचार ने तथा आधुनिक शिक्षा ने मिलकर तोड़ दिया है । व्यक्ति पारंपरिक समूह से अधिकाधिक अलग होता जा रहा है और एक अव्यवस्थित

तथा प्रतिस्पर्धापूर्ण जगत में केवल अपनी सूझ-बूझ और अपनी क्षमताओं के भरोसे उसे छोड़ दिया गया है । एक ओर तो वह विश्रृंखलित होती इकाई के सामूहिक जीवन से अलग खिंचता जा रहा है, दूसरी ओर वह स्वयं अपने बल-बूते पर आत्मविकास की पर्याप्त सुविधाओं को नहीं खोज पा रहा है । पुरानी दुनिया लड़खड़ाकर टुकड़े-टुकड़े हो रही है, किन्तु उसके चिरसंचित स्वप्नों का नया जगत नहीं उभर रहा है । ऐसी परिस्थितियों में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मनुष्य अपने को सोया हुआ, अकेला, परिव्यक्त, पृथक् किया हुआ, अनुभव करता है । अपनी बढ़ती हुई असमानताओं फैलते हुए अलगावों, तीव्र होते वर्ग-विरोधों, ऊँची और नीची आमदनी के बीच खाई, सुविधा प्राप्त गिनेचुने लोगों के अहंकार एवं समृद्धि तथा बहुतों की निर्धनता के बीच भेद, भ्रष्टाचार, स्वार्थ-साधन तथा हिंसा के साथ पूँजीवाद के परिणामों का प्रत्यक्ष प्रमाण बना हुआ है । सच्चा सुख, सर्जनात्मक क्रियाकलापों से भागने तथा अन्तर्जगत के रहस्यपूर्ण चिन्तन की शरण लेने में नहीं, वरन् निराश और कुंठा के कारणों को दूर करने तथा समस्त बुराइयों, उत्पीड़न एवं हिंसा को समाप्त कर जीवन को शुद्ध बनाने में निहित है । मानवीय मूल्यों के प्रति सच्ची आस्था का तकाजा है कि इन सामाजिक परिस्थितियों को जो मानव व्यक्तित्व को विकृत करती हैं, बदलने के लिए अटूट संघर्ष चलाया जाय ।

(क) मध्ययुग में व्यक्ति अपने को सुरक्षित क्यों अनुभव करता था ? **2**

(ख) व्यक्ति के जीवन का परंपरागत ढाँचा क्यों टूट गया ? और उसका क्या परिणाम हुआ है ? **2**

(ग) उन कारणों का उल्लेख कीजिए जिनसे मनुष्य अपने को खोया हुआ अनुभव कर रहा है ? **2**

(घ) पूँजीवादी व्यवस्था में अमानवीकरण के लक्षणों को स्पष्ट कीजिए । **2**

(ङ) सच्चा सुख क्या है और किन बातों में निहित है ? **2**

(च) मानवीय मूल्यों के प्रति सच्ची आस्था कैसे आ सकती है ? **2**

(छ) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **1**

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए – विश्रृंखलित । **1**

(झ) 'पुरानी दुनिया लड़खड़ाकर टुकड़े-टुकड़े हो रही है ।'
उक्त वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए । **1**

खण्ड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **10**

   (क) पर्यावरण और हम

   (ख) भारतीय समाज में नारी

   (ग) साहित्य समाज का दर्पण है

   (घ) भारत की वैज्ञानिक प्रगति

4. 'महानगर में दिन प्रतिदिन बिगड़ती कानून-व्यवस्था' **अथवा** 'आए दिन हो रही बिजली कटौती से उत्पन्न कठिनाइयों' पर एक आलेख लिखिए । **5**

5. आए दिन दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, साग-सब्ज़ी आदि की बढ़ती कीमतों की गंभीर समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के लिए समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

निगम के कार्यों से निराश होकर आपकी नवयुवक संस्था अपने आवास-क्षेत्र के पार्क की सफाई और रख-रखाव की उचित व्यवस्था स्वयं करना चाहती है । इसकी अनुमति प्रदान करने के लिए निगम अध्यक्ष को पत्र लिखिए ।

6. निम्नलिखित के उत्तर संक्षेप में दीजिए : **$1 \times 5 = 5$**

   (क) समाचार क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

   (ख) इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ?

   (ग) ब्रेकिंग न्यूज से आप क्या समझते हैं ?

   (घ) समाचार लेखन की कौन सी शैली सबसे प्रभावी और प्रचलित है ?

   (ङ) फीचर और समाचार में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड – 'ग'

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'देवसेना का गीत' में कवि ने आशा को बावली क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) कवि ने वसंत आने पर उसका बनारस पर क्या प्रभाव बताया है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) भरत के आत्म परिताप से तुलसीदास ने उनके चरित्र की किन विशेषताओं को प्रकट किया है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

8. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

जननी निरखति बान धनुहियाँ ।
बार-बार उर नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ,
कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे,
उठहु तात बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे ।
कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ भैया ।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया ।"

अथवा

दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर करता मैं तेरा तर्पण ।

9. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करे, जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवाकर दिया जाता है । घड़ी समय बतलाती है । किसी घड़ी देखना जानने वाले से समय पूछ लो और काम चला लो । यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो, किंतु तुम चाहते हो कि पीछा खोलकर देखें, पुर्जे गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ करके फिर लगा लें – यह तुमसे नहीं होगा ।

अथवा

मैं तो केवल निमित्त-मात्र था । अरुण के पीछे सूर्य था । मैंने पुत्र को जन्म दिया । उसका लालन-पालन किया, बड़ा हो जाने पर उसके रहने के लिए विशाल भवन बनवा दिया, उसमें उसका गृह-प्रवेश करवा दिया, उसके संरक्षण और परिवर्धन के लिए एक सुयोग्य अभिभावक डॉ. सतीशचंद्र काला को नियुक्त कर दिया और मैंने संन्यास ले लिया ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) सूने विराट के सम्मुख

हर आलोक छुआ अपनापन

है उन्मोचन

नश्वरता के दाग से ।

(ख) किसी अलक्षित सूर्य को

देता हुआ अर्घ्य

शताब्दियों से इसी तरह

गंगा के जल में

अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर ।

(ग) सौर सुपेती आवै जूड़ी ।

जानहु सेज हिवंचल बूड़ी ।।

11. रघुवीर सहाय **अथवा** विष्णु खरे के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **6**

अथवा

निर्मल वर्मा **अथवा** ममता कालिया के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषाशैली की दो प्रमुख विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर हर की पौड़ी पर होने वाली गंगा आरती का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'कुटज' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि जीना भी एक कला है ।

(ग) साहित्य मनुष्य को आगे बढ़ने के लिए कैसे उत्साहित करता है ? 'यथास्मै रोचते विश्वम्' के आधार पर लिखिए ।

खण्ड – 'घ'

13. 'आरोहण' पाठ में भूप के चरित्र की किन विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया है ? आप किस विशेषता को अपने जीवन में अपनाना चाहेंगे ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए । **5**

अथवा

ईर्ष्या, चोरी, अग्निकांड, निंदा जैसे नकारात्मक गुणों के बीच सूरदास के उस पक्ष पर प्रकाश डालिए जो सकारात्मक और आशावादी जीवन मूल्यों की प्रेरणा देते हैं ।

14. (क) 'बिस्कोहर की माटी' से उकेरे गए ग्रामीण जीवन की उन बातों की चर्चा कीजिए जो आज के जीवन में प्रेरक और शिक्षाप्रद हो सकती हैं । **5**

(ख) 'मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसे पहले गिरता था ।' अब अनेक स्थानों में यही स्थिति है । इसके क्या कारण हो सकते हैं ? **5**